Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

Intelligence

Definition — बुद्धि की परिभाषा को चार वर्गों में विभाजित किया जा सकता है —

(1) Stern (1914) के अनुसार नयी परिस्थितियों में समायोजन की योग्यता ही बुद्धि है।

समायोजन का अर्थ वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं तथा बाह्य वातावरण के बीच सन्तुलन स्थापित करता है।

जो व्यक्ति इस अभियोजन प्रक्रिया में जितना सफल होता है उसमें बुद्धि अधिक होती है और जो व्यक्ति इसमे कम सफल होता है उसमें बुद्धि कम होती है।

बुद्धि एक अनुमानित चीज है, जिसकी जानकारी व्यक्ति के अभियोजन की मात्रा से होती है।

Demerit → इस परिभाषा में दोष यह है कि इसमें सिर्फ अभियोजन पर बल दिया गया है और बुद्धि के दूसरे पक्ष की उपेक्षा की गयी है।

दूसरा दोष यह है कि अभियोजन योग्यता तथा बौद्धिक योग्यता को एक मानने की भूल की गई है।

[2] बुद्धि सीखने की योग्यता ~~की योग्यता~~ है — Goddard (1946) इस वर्ग की परिभाषा के अनुसार जो व्यक्ति किसी विषय को जल्दी सीख लेता है उसकी बुद्धि अधिक होती है और जो व्यक्ति किसी विषय को देर से या नहीं सीखता है तो उसकी बुद्धि कम होती है या उसे मन्द बुद्धि का समझा जाता है।

Scanned with CamScanner

Demerits — इस वर्ग की परिभाषा में सिर्फ सीखने पर बल दिया गया है और दूसरे पक्ष की उपेक्षा की गयी है।

दूसरा दोष यह है कि इसमें सीखने की योग्यता तथा बुद्धि को एक मानने की भूल की गई है, जबकि बुद्धि प्रधानतः जन्मजात है और सीखना अर्जित है।

[3] अमूर्त चिंतन की योग्यता ही बुद्धि है — Terman (1921)। जिस व्यक्ति में Abstract thinking की योग्यता अधिक होती है वह अधिक बुद्धिमान होता है और जिस व्यक्ति में इसकी योग्यता कम होती है ~~वह अधिक~~ उसमें बुद्धि भी कम होती है।

Demerits — इस वर्ग की परिभाषा में केवल चिन्तन की योग्यता को बुद्धि माना गया है और इसके पक्षों की उपेक्षा की गयी है।

दूसरा दोष यह है- कि बुद्धि तथा चिंतन की योग्यता को एक माना गया है। जबकि चिंतन बुद्धि का केवल एक अंश या भाग है।

(4) बुद्धि एक समग्र योग्यता है। इस अर्थ में - बुद्धि व्यक्ति की वह समग्र क्षमता है जो उसे उद्देश्यपूर्ण कार्य, विवेक पूर्ण चिंतन तथा प्रभावपूर्ण अभियोजन में सहायता करती है —

Wechsler, 1944. बुद्धि की यह परिभाषा सबसे संतोषजनक परिभाषा है।

समग्र का अर्थ है- सब पर छाया हुआ। जैसे एक ही बिजली कहीं हवा के रूप में, कहीं आग के रूप में तथा कहीं प्रकाश के रूप में होती है।

Scanned with CamScanner